Regarding health care facilities in Central Government Hospitals in Delhi

श्री योगेन्द्र चांदोलिया (उत्तर-पश्चिम दिल्ली): धन्यवाद माननीय सभापति महोदया । शून्य काल के माध्यम से मैं आपका ध्यान अपनी बात की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। दिल्ली भारत की राजधानी है और मिनी भारत है। पिछले 26 वर्षों में दिल्ली में जो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारें थी, उसके कारण स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल थीं। मैं जो विषय उठाना चाहता हूं, वह यह है कि दिल्ली और दिल्ली के आस-पास की जो माताएं-बहनें जब दिल्ली में इलाज कराने आती हैं और उसमें जो प्रीमैच्योर डिलीवरी होती है, उसमें अमीर आदमी तो अपना इलाज प्राइवेट अस्पतालों में जा कर करा लेता है, लेकिन ऐसे बच्चों की संख्या बहुत अधिक है, जिनकी प्रीमैच्योर डिलीवरी के कारण मृत्यु हो जाती है। मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री आदरणीय जे.पी. नड्डा जी से मांग है कि केन्द्र सरकार के अस्पतालों - कलावती हॉस्पिटल, लेडी हार्डिंग, आरएमएल, सफदरगंज और एम्स के अंदर अलग से ब्लॉक बनाये जाने चाहिए, जिससे गरीब लोगों का इलाज हो और दिल्ली सरकार को भी यहां से एक निर्देश जाना चाहिए कि प्रीमैच्योर डिलीवरी वाले बच्चों की जान बचे, उसके लिए अलग से एक पूरा अस्पताल बने। मैं यह मांग आपके सामने रखना चाहता हूं। आपने मेरी बात को सुना और मुझे बोलने का मौका दिया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।